मधुमेह की शिकायते

1. कमजोरी, थकान,सुस्ती।
2. अत्यधिक पेशाब होना ।
3. अत्यधिक प्यास लगना ।
4. अपने कपड़ों के नीचे या मूत्र के आसपास चींटियों का संग्रह।
5. शुरू में भूख और शरीर के वजन में वृद्धि होना ।
6. भूख में कमी और प्रगतिशील वजन घटान।
7. शल्य चिकित्सा आपात स्थिति की तरह पेट में गंभीर दर्द और पेट में भारीपन महसूस होना।
8. पैर की उंगलियों का काला होना, पैर में संक्रमण और अवसाद

बच्चों में

1. अचानक स्वभावमें बदलाव आ जाना, चिड चिडाहट, गुस्सा आना, शांत पड जाना
2. प्रगतिशील कमजोरी, थकान सुस्ती महसूस करना -खेल बंद हो जाना।
3. अत्यधिक प्यास।
4. मात्रा और मूत्र की आवृत्ति में वृद्धि।
5. रात को बिस्तर गीला करना।
6. पहले ज्यादा भूक लगना , फिर धीरे धीरे भूक काम लगना
7. ज्यादा खाने के बावजूद प्रगतिशील वजन घटना
8. खाना खाने के बावजूद कमजोरी महसूस करना।
9. कपड़े और मूत्र के आसपास चींटियों के संग्रह।
10. चक्कर आना।
11. नजर की क्षमता में बदलाव
12. परिश्रम शुरू करने पर और बाद में आराम करने पर थकान मेहसुस करना

पुरुषों में

1. कम कामेच्छा / कम सेक्स ड्राइव/ यौन रोग ।
2.लिंग की चमड़ी के खुर ।
3. लिंग की चमड़ी को खींचने में असमर्थता।

महिलाओं में
1.योनि के अंदर और आसपास खुजली होना। 2. बेईमानी पीबयुक्त मुक्ति / प्रदर महक। 3. आवर्तक गर्भपात। 4. अधिक वजन वाले नवजात शिशु को जन्म देना । 5. बच्चे में जन्मजात जन्म दोष होना।
गुर्दा: नेफ्रोपैथी
1.चेहरे और पलकें में सूजनकी। 2. पैरों में सूजन। 3. पेशाब में कमी। 4. भूख की कमी, मतली, उल्टी। 5. दैनिक मूत्र उत्पादन में प्रगतिशील कमी। 6. एक ही समय में दोनों गुर्दे की विफलता। 7. बारम्बार बुखार, मूत्र जलते, मूत्र संक्रमण।
नजर
1. बारम्बार नेत्र संक्रमण। 2. चश्मे का नंबर बार बार बदलना । 3.कुछ दिनों के लिए चश्मे के बिना बेहतर पढ़ने के लिए समर्थ है। 4. चमकदार चमकदार तैरते कण दिखाई देना । 5. टूटी दृष्टि। 6. धुँधली दृष्टि। 7. रेटिनोपैथी।

8.दिखाई न देना/ अंधापन ।
9. छोटी उम्र में मोतिया होना ।
10. आँखों में प्रेशर बढ़ जाना ।

आवर्तक घाव
1. घाव भरने में जरुरत से ज्यादा समय लगाना | 2. नासूर घाव | 3. बेईमानी निर्वहन 4. त्वचा का काला होना 5. अधिक सूजन 6. लालिमा और कोमलता
दिल
1. बिना कोई संकेत या दर्द , दिल का दुआरा पड़ना । 2. सीने में दर्द के बिना दिल का दौरा। 3. छाती / पेट में अस्पष्ट शिकायतों। 4.दिल के दौरे जैसा दर्द । 5.छाती के बीच भारीपन। 6. सांस लेने में तकलीफ - शुरू में परिश्रम पर, बाद में आराम के साथ बेहतर महसूस करता है। 7. पेट में गैस। 8. मतली। 9. उल्टी। 10. आराम / कोरोनरी vasodilators के साथ बेहतर लगता है।
जोड़े
1. हलन चलन में तकलीफ | 2. जोड़ो में तेज़ दर्द होना|

3. जोड़ों की विकृति |
4. ऊँगली का जकड़ जाना |
5. कंधे का जकड़ जाना

तंत्रिका (नस) : हथियारों और पैर में न्यूरोपैथी
1. झुनझुनी 2. सुन्नता 3. कम सनसनी 4. सनसनी अनुपस्थिति 5. कपास गद्दा पर चलने की तरह लगना। 6. दर्द: ठनकता हुआ , जलन, चमक मरता हुआ, चुद्ता हुआ, मरोड़ उठना 7. दर्द की अवधि : दिन भर / निरंतर/ आता और जाता हुआ। 8. सुबह जागने पर पैर की ईडी में तेज़ दर्द होना और फिर थोड़ा चलने पर काम होजाना| 9. असमर्थता, दिन के नियमित काम में / फिर रात में करते काम हैं।
परिधीय संवहनी रोग
1.अधिक चलने पर पैरो की पिंडलियों में , जगाओमें दर्द होना, जो आराम करने पर काम होजाए 2. गंभीर दर्द शुरू में परिश्रम पर, बाद में दर्द से आराम 3.पैरो में नासूर घाव होना | 4. अवसाद
वैरिकाज - वेंस
1. वैरिकाज़ नसों - पैरो में नीली नसों का दिखना और सूजना | 2. सूजी हुई टेढ़ी मेढ़ी नासे दिखाई देना|

3. चमड़ी का काला पड़ना|
4. छाले जैसा घाव |

मस्तिष्क और नस्स
1. पक्षाघात। 2. आंशिक पक्षाघात। 3. बहरापन। 4. चेहरे, होंठ, हाथ और पैर को शामिल कपाल और परिधीय नसों को नुकसान।